Bal Bharati
PUBLIC SCHOOL

बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा, दिल्ली ११००३४

हिंदी

कक्षा- IX

प्यारे बच्चो!

आप पिछली कक्षाओं में समश्रुति भिन्नार्थक, पर्यायवाची, विपरीत, उपसर्ग व प्रत्यय पढ़ चुके हैं। नीचे उन्हीं का अभ्यास दिया जा रहा है, जिसे आप कॉपी में लिखेंगे और परीक्षा के लिए अच्छे से याद करेंगे।

इन सभी को अपनी कॉपी में लिखें और याद करें।

BBPS,PITAMPURA

1. **समरूपी भिन्नार्थक** -कुछ शब्द उच्चारण की दृष्टि से इतने मिलते जुलते हैं कि प्रयोग करने वाले उन्हें एक ही मान बैठते हैं, जबकि उनका अर्थ एक-दूसरे से पूर्णतः भिन्न होता है। जैसे –

अचल-पर्वत अचला-पृथ्वी	अभय-निडर उभय-दोनों
अधम-नीच अधर्म-पाप	अन्न-अनाज अन्य-दूसरा
अभिराम-सुंदर अविराम-निरंतर	अणु-कण अनु-पीछे
अति-बहुत इति-समाप्त	अनल-आग अनिल-वायु
अपकार-बुरा उपकार-भला	उदार-विशाल उदर-पेट
उपयुक्त-ठीक उपर्युक्त-ऊपर कहा गया	अंश-भाग अंस-कंधा

निम्न शब्द -युग्मों में अंतर स्पष्ट करें -

परिमाण-परिणाम, समान-सम्मान, दिन-दीन, वसन-व्यसन, धरा-धारा, तप-ताप, कपट-कपाट, आदि-आदी

BBPS PITAMPURA

2. एक अर्थ को प्रकट करने वाले अनेक शब्दों को पर्यायवाची कहते हैं।

शब्द	**पर्यायवाची**
अतिथि	आगंतुक, पाहुना, अभ्यागत
अनुपम	अनोखा, निराला, अनूठा
अमृत	सुधा, सोम, अमी
अरण्य	वन, कानन, जंगल
अश्व	घोड़ा, हय, तुरंग
असुर	दैत्य, दानव, राक्षस
अहंकार	घमंड, अभिमान, दर्प
आँख	नेत्र, नयन, लोचन
आकाश	अम्बर, गगन, नभ
आभूषण	गहना, अलंकार, भूषण
इच्छा	चाह, कामना, लालसा
अन्धकार	अँधेरा, तम, तिमिर

निम्न शब्दों के दो -दो पर्यायवाची लिखिए -

नदी, कमल, पृथ्वी, जल, हनुमान, हाथ, हिरण, समुद्र

BBPS,PITAMPURA

3. विलोम -शब्द

अंधकार-प्रकाश	अधिक-न्यून
अनाथ-सनाथ	अनुकूल-प्रतिकूल
अनुज-अग्रज	अनुराग-विराग
अपना-पराया	अपव्यय-मितव्यय
अमीर-गरीब	अमृत-विष
अर्थ-अनर्थ	अल्पायु-दीर्घायु

निम्नवाक्यों के रिक्त-स्थानों की पूर्ति विलोम-शब्दों से कीजिए -

- भारत पाकिस्तान का हित चाहता है_____नहीं।
- पाकिस्तान ने भारत की मैत्री का जवाब_____से दिया।
- सृष्टि और_____ईश्वर के खेल हैं।
- मैं रचना करता हूँ वह_____कर देता है।
- निंदा करना कमज़ोरी की निशानी है ,और_____ताकत की।
- दुर्जन लोगों का बुरा चाहता और_____भला।
- कायर डरता है जबकि_____नहीं।
- रक्षक ही_____बन जाए तो कमज़ोर व्यक्ति क्या करे।
- रावण ज्ञानी था_____नहीं।
- दूसरों का उपकार करो_____नहीं।

BBPS PTAMPURA

4. उपसर्ग -उपसर्ग वे शब्दांश हैं जो किसी शब्द के पूर्व लगकर उस शब्द का अर्थ बदल देते हैं या उस में नई विशेषता उत्पन्न कर देते हैं। जैसे अव + गुण = अवगुण

निम्नलिखित उपसर्गों से दो-दो शब्द बनाएँ –

अप		
अभि		
आ		
उप		
सु		
प्र		
कु		
वि		

5. प्रत्यय -जो शब्दांश धातु रूप या शब्दों के अंत में लगकर नए शब्द का निर्माण करते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं जैसे:

महान + ता = महानता

BBPS,PITAMPURA

निम्नलिखित शब्दों से प्रत्यय अलग कीजिए –

पढ़ाई	
लिखावट	
लुहारिन	
चमकीला	
मिठास	
चित्रकार	
नमकीन	
दुकानदार	

6. अनुनासिक -अनुनासिक वे स्वर हैं जिन के उच्चारण में वायु मुख के साथ -साथ नाक से भी बाहर निकलती है ,इसे हम चंद्र-बिंदु के रूप में प्रयोग करते हैं। जैसे -आँधी, आँसू, आँख, पाँच, काँच आदि।

अनुस्वार -अनुस्वार स्वर व व्यंजन का योग हैं। ये पंचम वर्ण भी कहलाता है। इसके उच्चारण में भी अन्य व्यंजनों की तरह मुख में अवरोध होता है और वायु मुख के साथ -साथ नासिका से भी बाहर निकलती है,इसे हम बिंदु चिह्न के रूप में प्रयोग करते हैं। जैसे-परंतु, गुंजन, कंस, भिंडी, संभावना आदि।

BBRSPTAMPURA

निम्नलिखित शब्दों में से अनुस्वार व अनुनासिक शब्द अलग कीजिए –

हंस, हँस, आतंक, अंधकार, माँग, गाँव, संचय, अँधेरा।

अनुस्वार	अनुनासिक

निम्नलिखित शब्दों पर उचित स्थान पर अनुस्वार व अनुनासिक का प्रयोग करें -

शब्द	अनुस्वार / अनुनासिक
चाद	
पहुच	
तागा	
आदोलन	
सचालन	
झासी	
पकज	
दत	

BBPS PTAMPURA